an>

Title: Regarding central assistance to set up a water treatment plant at Kalpi and put the paper industry in green category by Central Pollution Control Board.

**श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) :** सभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया है, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मेरे लोक सभा संसदीय क्षेत्र जालौन गरौठा भोगनीपुर में एक तहसील कालपी है, जो हाथ कागज निर्माण के लिए प्रसिद्ध है। कालपी बुन्देलखंड का अतिपिछड़ा क्षेत्र है। जहां पर हाथ कागज उद्योग इस क्षेत्र के व्यापारियों एवं मजदूरों के लिए जीवनदायक व्यवसाय है। जिसका इतिहास प्राचीनतम एवं विश्व प्रसिद्ध है। जिस प्रकार से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भारत के प्रतीक हैं, ठीक उसी प्रकार खादी महात्मा गांधी जी का प्रतीक है। महात्मा गांधी जी ने स्वयं कहा था कि खादी वस्त्र नहीं, विचार है और कालपी कागज उद्योग भी खादी का ही एक रूप है। एक ओर जहां केन्द्र सरकार खादी उद्योग को बढ़ाया दे रही है, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार इसे उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रेड श्रेणी में श्रेणीबद्ध करके उसे बंद करना चाहती है। जबकि आंध्र प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल में यही उद्योग ग्रीन श्रेणी के उद्योगों में शामिल है। यह कुटीर उद्योगों के साथ किया जा रहा अन्याय है। जबकि कालपी का हाथ कागज उद्योगों की गुणवत्ता पूरे भारत में सर्वश्रेष्ठ है। ऐसे कुटीर उद्योगों को उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जल प्रदूषण का आरोप लगा कर तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश जारी किया है, जिससे इस उद्योग से जुड़े हजारो मजदूर और व्यापारी बेरोजगार हो जायेंगे। जबकि यह उद्योग खादी कमीशन से संचालित होता है और इसे पर्यावरण मित्र का दर्जा प्राप्त है। यह निश्चित रूप से राज्य सरकार का अन्यायपूर्ण कदम है।

मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि हाथ कागज उद्योग बचाने हेतु केन्द्र सरकार द्वारा कालपी में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगवाने का कष्ट करें तथा हमारे हाथ कागज उद्योग को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से ग्रीन कैटेगरी में निर्धारित कराने की कृपा करें, ताकि इस उद्योग के साथ उत्तर प्रदेश में भी अन्य प्रदेशों की तरह समानता का व्यवहार हो सके एवं इस व्यवसाय से संबंधित मजदूरों की कौशल विकास प्रतिभाओं के हनन को रोका जा सके। धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON: Shri Bhairon Prasad Mishra and Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Bhanu Pratap Singh Verma.